ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :17.11.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-11-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	18/11/2023	19/11/2023	20/11/2023	21/11/2023	22/11/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	26.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	10.0	10.0	10.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	40	45	40	40
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	20	25	20	20
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	7	7
पवन दिशा (डिग्री)	90	55	15	15	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (10 से 16 नवंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 27.0 से 29.0 डिग्री सेल्सियस और 12.0 से 15.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह मौसम साफ रहा। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 76 से 94% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 40 से 48% के बीच रही। हवा की गति 0.2 से 0.8 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों का पूर्वानुमान है कि बारिश नहीं होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 26.0-27.0 डिग्री सेल्सियस और 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 6-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं ज्यादातर उत्तर, पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा से चलेंगी।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत" पर अपडेट की जाती है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान भाइयों से अनुरोध है की खड़ी ख़रीफ़ फ़सलें जैसे चावल, उर्द, मूंग, सोयाबीन, गन्ना, मूंगफली आदि की कटाई कर ले ।

लघु संदेश सलाहकार:

सूखे की स्थिति बनी रहेगी, इसलिए कटी हुई खरीफ फसलों का उचित भंडारण किया जाना चाहिए, जबकि रबी फसलों में फसल की आवश्यकता के अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	अंकुरण	अंकुरण शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर नियमित निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए , जबकि नौलख गन्ने की बुवाई के मामले में, फसल की आवश्यकता अनुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
चना/मसूर	अंकुरण/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए तथा 25-30 दिन के अंतराल पर फसल की निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए।
राई एवं तोरिया (लाही)	अंकुरण/फूल आना	देर से बोई गई फसलों की निगरानी करनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई देनी चाहिए। सिंचाई के बाद फसल में नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
पीली सरसों	अंकुरण/फूल आना	देर से बोई गई फसलों की निगरानी करनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई देनी चाहिए। सिंचाई के बाद फसल में नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
गेहू	बुवाई /अंकुरण	शीघ्र पकने वाली किस्मों की बुवाई माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए। शुष्क परिस्थितियों में पहली सिंचाई 25-30 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिए।
जौ	बुवाई /अंकुरण	सिंचित अवस्था में फसल की बुवाई माह के दूसरे पखवाड़े में करनी चाहिए।
चारा फसल	बुवाई /वनस्पति	फसलों की निगरानी की जानी चाहिए और शुष्क परिस्थितियों में सिंचाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानीविशिष्टसलाह
सब्जी मटर	अंकुरण/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए तथा 25-30 दिन के अंतराल पर फसल की निराई-गुड़ाई करते रहना चाहिए।
मूली	बुवाई	यूरोपीयन किस्म को 6-8 किग्रा/हेक्टेयर और एशियाई किस्म को 10-12 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोया जा सकता है। लाइन से लाइन की दूरी 20-25 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी होनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	बदलते मौसम के साथ पशुओं के नवजात शिशुओं में निओमोनिया की संभावना अधिक रहती है इसलिए सलाह दी जाती है कि पशु को ठंड से बचाना चाहिए और पशुओं को गर्म भोजन देना चाहिए।
गाय	मानसून के बाद आहार नाल में विभिन्न प्रकार के आंतरिक परजीवी उत्पन्न हो सकते हैं इसलिए सबसे पहले पशुओं को कृमिनाशक दवा देनी चाहिए।